सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

मूल्य ₹ 3/-

● वर्षः 9 ● अंकः 237 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 4 अक्टूबर, 2023

सफलता की खुशी मनाना अच्छा है पर उससे जरूरी है अपनी असफलता से सीख लेना।

- बिल गेट्स

बंगाल के गरीबों-किसानों का हक... 2 | जातिगत जनगणना से बदलेंगे 2024... 3 | भाजपा-बीआरएस की जुगलबंदी ने... 7

संजय सिंह के घर ईडी की छापेमारी विपक्ष ने भाजपा पर बोला हमला

इंडिया गठबंधन ने कहा- विपक्षी एकता से डर गई मोदी सरकार

» शराब घोटाले के मामले में हो रही कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के करीब आते ही भाजपा सरकार अपनी छापेमारी नीति में लग गई है। जिसके तहत वो विपक्षी दलों के नेताओं के घर छापेमारी कराके उनकी आवाज को दबाने का काम करेगी। इस छापेमारी नीति में सिर्फ विपक्ष दल के नेता ही नहीं बल्कि वो स्वतंत्र आवाजें भी शामिल हैं जो सत्ता से सवाल करती हैं। इसी छापेमारी नीति का आज शिकार हुए आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह। ये वो ही संजय सिंह हैं जो अधिकांश मौकों पर भाजपा सरकार पर हमला बोलते रहते हैं। यही वजह है कि आप सांसद संजय सिंह के दिल्ली स्थित आवास पर आज सुबह-सुबह ही ईडी की टीम पहुंच गई और छापेमारी शुरू कर दी। यह छापेमारी खबर लिखे जाने तक जारी है।

जानकारी के मुताबिक, संजय सिंह के आवास पर ये छापेमारी शराब घोटाले के मामले में की जा रही है। आपको बता दें कि आप सांसद संजय सिंह का शराब घोटाले में दाखिल चार्जशीट में नाम शामिल था। इसको लेकर संजय सिंह के करीबियों से भी पूछताछ की जा चुकी है। गौरतलब है कि इसी साल फरवरी में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को दिल्ली शराब नीति में घोटाले के आरोप में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। फिलहाल संजय सिंह के घर हो रही इस छापेमारी पर आप समेत पूरा विपक्ष भाजपा पर हमलावर है। वहीं संजय सिंह पर ईडी की इस कार्यवाही को लेकर आप समर्थक दिल्ली और यूपी में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

ईडी-सीबीआई विपक्ष की आवाज दबाने का माध्यम : राउत

शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने इस मामले को लेकर बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि क्या बीजेपी 2024 के आम चुनाव अपने विरोधियों पर ईडी और सीबीआई के छापे मारकर करवाना चाहती है। राउत ने कहा कि सीबीआई और ईडी अब विपक्ष की आवाज को दबाने का माध्यम बन गया है। राउत ने दावा किया कि अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया है की बीजेपी ईडी और सीबीआई का गलत इस्तेमाल कर रही है। इन्होंने पहले अभिषेक बनर्जी को परेशान किया अब यह संजय सिंह को परेशान कर रहे हैं।

ये भाजपा का हताश प्रयास : केजरीवाल

संजय सिंह के घर हो रही ईडी की कार्रवाई पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनके घर पर कुछ भी नहीं मिलेगा। केजरीवाल ने कहा कि साल 2024 के चुनाव आ रहे हैं। वे जानते हैं कि वे हार जाएंगे। ये उनके हताश प्रयास हैं। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएंगे। ईडी, सीबीआई जैसी सभी एजेंसियां एक्टिंग हो जाएंगी।

चुनाव तक चलेगा ये सिलसिला : मनोज झा

इस मामले में आप को इंडिया गठबंधन का साथ मिल रहा है। इस छापेमारी पर राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि अब ये सिलसिला चुनाव तक चलेगा। पीएम मोदी और अमित शाह की टीम ने ये बता दिया है कि 2024 के चुनाव की आधिकारिक घोषणा हो चुकी है। कल न्यूज क्लिक के ठिकानों व तमाम पत्रकारों पर और आज संजय सिंह के आवास पर छापेमारी हो रही है। हांडी भर चुकी है, फूटने वाली है।

इंडिया गठबंधन से डर गई है भाजपा : महबूबा

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने संजय सिंह के घर हुई छापेमारी पर कहा कि ईडी भाजपा का दायां हाथ बन गई है और विपक्षी नेताओं के खिलाफ इसका इस्तेमाल करती है। मुफ्ती ने आरोप लगाया कि बीजेपी विपक्षी गठबंधन इंडिया गठबंधन से डरी हुई है।

केजरीवाल का इस्तीफा मांग रही भाजपा

वहीं इस पूरे मामले में भाजपा ने दिल्ली शराब घोटाले को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। बीजेपी ने इस मुद्दे पर आप को घेरते हुए कहा कि इस शराब घोटाले को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की देखरेख में किया गया है। सरकारी गवाह बने दिनेश अरोड़ा ने भी इस बात को कबूल किया है। मुख्यमंत्री आवास पर वसूली की जाती थी।

लैंड फॉर जॉब्स मामले में लालू परिवार को मिली राहत

» दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने दी जमानत

» लालू के अलावा तेजस्वी और राबड़ी भी हैं आरोपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लैंड फॉर जॉब स्कैम यानी कि नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में आज बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के परिवार को बड़ी राहत मिल गई है। इस मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू परिवार के सदस्यों को जमानत दे दी है। बता दें कि इस मामले में आरजेडी प्रमुख लालू यादव समेत उनकी पत्नी व पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव भी आरोपी थे। आज राउज एवेन्यू कोर्ट ने इन सभी सदस्यों को जमानत दे दी है।

कोर्ट ने तीनों ही लोगों को 50 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी है। इस मामले पर अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होने वाली है। आज इस मामले में पेशी के लिए लालू परिवार दिल्ली भी पहुंचा हुआ था।

सीबीआई कर रही है मामले की जांच

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आज हुई सुनवाई के दौरान लालू परिवार के तीन सदस्यों के अलावा 17 आरोपी अदालत में पेश हुए। लैंड फॉर जॉब्स मामले में ये एक नया केस है। इस मामले में तेजस्वी के साथ उनकी माता-पिता लालू और राबड़ी देवी को भी आरोपी बनाया गया है। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है और उसने तीन जुलाई को एक चार्जशीट भी दायर की थी, जिसमें तेजस्वी को आरोपी बनाया गया।

ये है लैंड फॉर जॉब्स का मामला

दरअसल, जमीन के बदले नौकरी देने का ये मामला मनमोहन सिंह के कार्यकाल का है। यूपीए-2 की सरकार में लालू यादव देश के रेल मंत्री का पद संभाल रहे थे। लालू यादव पर आरोप है कि उन्होंने जमीन के बदले लोगों को फर्जी तरीके से नौकरियां दिलवाईं। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। वहीं ईडी इसमें मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से भी जांच कर रही है। लैंड फॉर जॉब्स मामले में लालू परिवार के करीबियों के यहां छापे भी हो चुके हैं।

सुनवाई के लिए दिल्ली आया था लालू परिवार

राउज एवेन्यू कोर्ट ने सितंबर में लालू परिवार समेत सभी आरोपियों को 4 अक्टूबर को पेश होने का आदेश दिया था। इसीलिए आज इस मामले पर सुनवाई के लिए ही लालू परिवार बिहार से दिल्ली आया था। सीबीआई की तरफ से जिस नई चार्जशीट को दाखिल किया गया, उसमें तेजस्वी का नाम भी शामिल किया गया। इससे पहले जिस चार्जशीट को दायर किया गया था, उसमें लालू यादव, राबड़ी देवी, इनकी बेटी मीसा भारती समेत अन्य लोगों के नाम थे। फिलहाल ये सभी जमानत पर हैं।

यूपी में कानून व्यवस्था चौपट, योगी दें इस्तीफा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने की मांग, बोले- जनता हुई त्रस्त

» बोले- देवरिया और कानपुर की घटना योगी सरकार की नाकामी की देन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अजय राय ने जबसे यूपी कांग्रेस की कमान संभाली है, तबसे वो काफी आक्रामक रवैया अपनाए हुए हैं। वो लगातार प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। इस बीच अजय राय ने एक बार फिर प्रदेश की योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा है और कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस्तीफे तक की मांग कर डाली है।

आजय राय ने पार्टी राज्य मुख्यालय पर संवाददाताओं से बातचीत में प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कानून-व्यवस्था संभाल पाने में असफल प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नैतिकता के आधार पर तत्काल इस्तीफे की मांग की है। अजय राय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपने पद पर रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। जब वह कानून-व्यवस्था संभाल नहीं पा रहे तो उन्हें नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। जनता योगी सरकार और उनके प्रशासन से त्रस्त हो चुकी है और आने वाले लोकसभा चुनाव में जनता इसका जवाब देगी। उन्होंने देवरिया में एक ही परिवार के पांच सदस्यों सहित छह लोगों की हत्या, कानपुर में चिकित्सा उपकरणों के व्यापारी को भाजपा पार्षद के पति द्वारा पीट-पीटकर मरणासन्न किए जाने और सुल्तानपुर में एक चिकित्सक की हत्या की निंदा करते हुए इसके लिए प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की नाकामी को जिम्मेदार ठहराया।

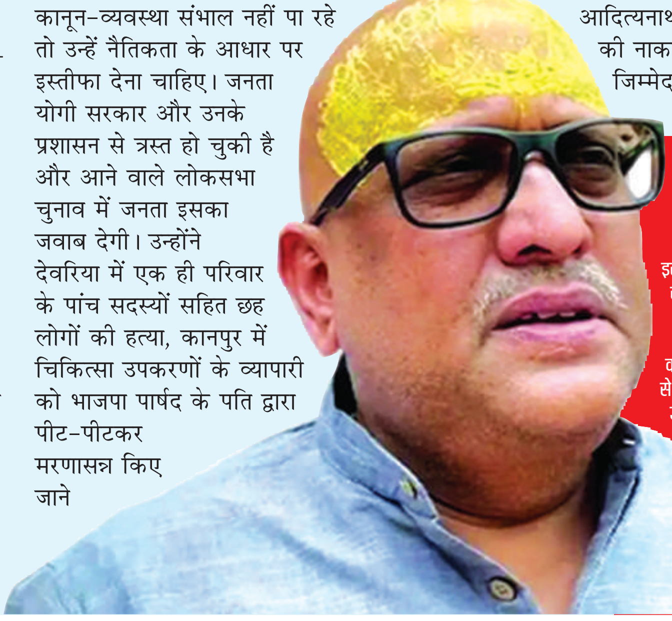

प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की बना रहे रणनीति

इस बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की सभी 80 सीटों पर कांग्रेस लोकसभा चुनाव ल?ने की तैयारी कर रही है। इंडिया गठबंधन के तहत इनमें से कितनी सीटें समाजवादी पार्टी को देनी हैं, उसका फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि बागेश्वर उप चुनाव में सपा को अपना उम्मीदवार नहीं खड़ा करना चाहिए था। इसकी वजह से भाजपा की जीत हो गई।

अपराधियों की पनाहगाह बन गई है भाजपा

राय ने आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपराधियों की पनाहगाह बन गई है। सबसे ज्यादा अपराधी और बलात्कार के आरोपी इसी पार्टी में हैं। उन्हें सरकारी संरक्षण प्राप्त है। ऐसा कोई दिन नहीं होता जब हत्या की घटनाएं न हो रही हों और उनमें भाजपा नेताओं पर आरोप न लग रहे हों। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देवरिया में सामूहिक हत्याकांड की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस घटना में छह लोगों की हत्या कर दी गई और बगल के जनपद गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाषण देते रहे। आखिर मुख्यमंत्री को इन गोलियों की आवाज और पीड़ित परिवारों की चीख-पुकार क्यों नहीं सुनाई देती है? कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में दलितों के खिलाफ रोजाना अपराध की औसतन 34 घटनाएं हो रही हैं। महिलाओं के खिलाफ औसतन 135 अपराध रोज हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का झूठा नारा लगाने वाली भाजपा सरकार ने महिला सुरक्षा फंड का 79 प्रतिशत पैसा महिलाओं के हित में न खर्च करके सिर्फ झूठे प्रचार में बर्बाद कर दिया।

सपा को झटका, कांग्रेस में शामिल हुए सपाई

समाजवादी छात्रसभा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सिंह यादव ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उन्हें पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई। सदस्यता ग्रहण के बाद उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही सच्चे समाजवाद की पोषक रही है। इंदिरा गांधी ने संविधान में समाजवाद शब्द को शामिल किया। इस समय कांग्रेस ही पिछड़ों, दलितों की लड़ाई प्रमुखता से लड़ रही है। कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. उमा शंकर पांडेय ने बताया कि अजय राय ने सभी दलों के लिए पार्टी के द्वार खोल रखे हैं। उनकी कोशिश है कि समाज के सभी लोगों को पार्टी के साथ लेकर आगे बढ़ा जाए। कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. सीपी राय ने सभी का पार्टी में स्वागत किया है। कांग्रेस के संगठन सचिव अनिल यादव ने कहा कि राहुल गांधी पिछड़ों, दलितों व वंचितों तथा और गरीबों की लड़ाई लड़ रहे हैं। युवा अब सरकार की गलत नीतियों को सहन नहीं करेगा।

इन समाजवादियों ने भी थामा कांग्रेस का दामन

दिनेश सिंह यादव के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वालों में समाजवादी पार्टी के बाबा साहब वाहिनी के पूर्व राष्ट्रीय सचिव शैलेंद्र ध्रुव, बीपी सिंह, अनुराग चौधरी, सर्वेश कुमार यादव, अमित यादव, आनन्द सिंह, आशा यादव, परमानंद मिश्रा, आफताब अहमद शामिल थे।

अरुणाचल के लोग भारत से सदियों से जुड़े हैं : सीएम खांडू

» मुख्यमंत्री बोले- पता नहीं क्यों ऐसे दावे करता है चीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश पर चीनी दावों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि उन्हें समझ में नहीं आता कि चीन किस आधार पर ऐसे दावे करता रहता है, जबकि सदियों से राज्य भारतीय संघ का अविभाज्य हिस्सा रहा है।

सीएम खांडू ने कहा कि क्या अरुणाचल के बारे में ऐसा कुछ है, जो ये सबित करे कि दूर-दूर तक इसका चीन से कोई लेना-देना है? मुझे नहीं पता कि चीन किस आधार पर अरुणाचल पर ये दावे करता है। सदियों से हम भारत से जुड़े रहे हैं। जब भी चीन ने हमारे राज्य के बारे में निराधार दावे किए तो विदेश मंत्रालय ने उचित प्रतिक्रिया दी।

अरुणाचल प्रदेश के लोग देश में सबसे अधिक देशभक्त हैं। जब वे मेहमानों का स्वागत करते हैं, तो वे जय हिंद का नारा लगाते हैं। सीएम ने कहा कि उन्होंने अगले 10 वर्षों में अरुणाचल को देश में राजस्व सृजन के मामले में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला राज्य बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

जाति जनगणना पर और मुखर होगी सपा

» इंडिया गठबंधन का मिल रहा पूरा समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार सरकार द्वारा जाति जनगणना के आंकड़े पेश करने के बाद अब अन्य प्रदेशों में भी इसे कराने की मांग तेज हो गई है। इस बीच समाजवादी पार्टी भी 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने पीडीए यानी कि पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक के मुद्दे को और भी धार देने में जुटी है। बिहार के जातिजनगणना के आंकड़ों से सपा को और भी बल मिल गया है। बिहार में कुल जनसंख्या का 63 प्रतिशत ओबीसी व 21 प्रतिशत एससी-एसटी हैं।

अब सपा पूरे देश में जातिवार गणना कराने के मुद्दे पर भाजपा को घेरेगी। उसकी इस मांग को समर्थन विपक्षी गठबंधन इंडिया में उसके साथी कांग्रेस, रालोद के साथ ही एनडीए में शामिल अपना दल (एस), सुभासपा व निषाद पार्टी का भी मिल रहा है। एनडीए व इंडिया दोनों ही गठबंधनों से दूरी बनाकर चल रही बसपा प्रमुख मायावती भी जातिवार जनगणना कराने की मांग कर रही हैं। यूं तो सपा जातिवार गणना कराने की मांग पहले से करती आ रही है। सपा मुखिया व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव विधानसभा में भी गणना कराने के मुद्दे को उठा चुके हैं। सपा अपने 2022 के चुनावी घोषणा पत्र में भी जातिवार गणना कराने का वादा कर चुकी है। बिहार के जातिवार गणना के आंकड़े सामने आने के बाद अखिलेश ने अपना एजेंडा साफ करते हुए कहा था कि पीडीए ही भविष्य की राजनीति की दिशा तय करेगा। उनके रुख से साफ है कि पार्टी इस मसले पर आने वाले दिनों और मुखर होगी।

सॉफ्ट हिंदुत्व के एजेंडे को भी आगे बढ़ा रहे अखिलेश

साथ ही अखिलेश ने 'साफ्ट हिंदुत्व' के एजेंडे को भी आगे बढ़ाया। भले ही सपा वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव भाजपा से हार गई हो, लेकिन उसने अपना 10 प्रतिशत वोट जरूर बढ़ा लिया था। उसे 32.05 प्रतिशत वोटों के साथ 111 सीटें मिली थीं। वर्ष 2017 के चुनाव में उसे महज 21.82 प्रतिशत मतों के साथ 47 सीटें ही मिली थीं। लोकसभा चुनाव के लिए सपा ने 'पीडीए' का नारा दिया है। पिछले दिनों हुए घोसी उपचुनाव में 'पीडीए' अपनी पहली परीक्षा पास भी कर चुका है। सपा का मानना है कि बिहार में जिस तरह की जातिवार स्थिति है उसी तरह के हालात यूपी में भी है। इसलिए पीडीए में यहां भी करीब 85 प्रतिशत आबादी आ जाएगी। अखिलेश इसे भाजपा के 80 बनाम 20 की काट के रूप में भी लेकर आए हैं।

बंगाल के गरीबों-किसानों का हक मारना चाहती है भाजपा : ममता

पार्टी ने बताया- लोकतंत्र के लिए काला दिन

» टीएमसी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने पर भड़कीं सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री से मुलाकात करने की मांग को लेकर 03 अक्टूबर को दिल्ली के हाई-सिक्योरिटी वाले इलाके में टीएमसी सांसदों को हिरासत में लिया गया। पार्टी नेताओं पर हुई इस कार्रवाई का विरोध करते हुए टीएमसी प्रमुख व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि बीजेपी पश्चिम बंगाल के गरीबों और किसानों का हक मारना चाहती है।

राज्य की सीएम ममता बनर्जी ने ट्वीट करके कहा कि आज लोकतंत्र के लिए काला दिन है। यह वो दिन है जब बीजेपी नेताओं के बंगाल के लोगों के प्रति उनके तिरस्कार किए जाने की बात पता चली है। बीजेपी ने पहले तो कृषि विभाग के लिए हमारी फंडिंग रोक दी। जब हमारा प्रतिनिधिमंडल कृषि मंत्री से मुलाकात करने के लिए गया तो उन्होंने उनके साथ बुरा बर्ताव किया। उनको जबरन पुलिस द्वारा वहां से हटा दिया। सीएम ममता ने कहा कि पश्चिम बंगाल की आवाज कुचलने के लिए बीजेपी ने हर सीमा पार कर दी है। उनकी पुलिस ने हमारे प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यहार किया। उनको जबरन मंत्रालय से बाहर कर दिया जैसे कि वह अपराधी हों। उन्होंने ऐसा सिर्फ उनको बीजेपी के सत्ता के अहंकार के सामने आवाज उठाने को लेकर किया। बीजेपी के अहंकार की कोई सीमा नहीं है और उनके अहंकार ने उनको अंधा कर दिया है।

पश्चिम बंगाल की आवाज कुचलने की भाजपा ने पार की सीमा

भाजपा अपने खिलाफ उठी हर आवाज दबाना चाहती : अभिषेक

ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भी इस दौरान भाजपा की आलोचना की। क्योंकि मंगलवार को उनको भी हिरासत में लिया गया था। अपने ऊपर हुई इस कार्रवाई पर अभिषेक ने कहा कि यह भारत के लोकतंत्र के लिए काला दिन है, जहां पर बीजेपी अपने खिलाफ उठी हर आवाज को दबा देना चाहती है।

जातिगत जनगणना से बदलेंगे 2024 के सियासी समीकरण!

देश की सियासत में फिर हो सकती है मंडल दौर की वापसी

» नीतीश-तेजस्वी के दांव से भाजपा के खेमे में मची खलबली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में इस समय हर तरफ सिर्फ एक ही चर्चा हो रही है जो है बिहार में हुई जातिगत जनगणना की। जबसे बिहार की नीतीश सरकार ने जातिगत जनगणना के आंकड़े पेश किए हैं, तबसे हर ओर इसी की चर्चा हो रही है। बिहार सरकार के इस कदम का पूरा इंडिया विपक्ष समर्थन कर रहा है और इसके लिए नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव को बधाई दे रहा है। तो वहीं भाजपा इस मुद्दे पर अब तक कुछ खोलकर बोलने से बचती नजर आ रही है। तभी वो इस पूरे मामले पर मौनी बाबा बनी हुई है। लेकिन बिहार सरकार के आंकड़े जारी करने के बाद अब जातिगत जनगणना को और राज्यों में कराने की मांग भी तेज होने लगी है। साथ ही कई प्रमुख राजनीतिक दल केंद्र की मोदी सरकार से पूरे देश में जातिगत जनगणना कराने की भी मांग कर रहे हैं। लेकिन इस बीच भाजपा के लिए सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात ये है कि अब तो उसके अपने कुनबे से भी जातिगत जनगणना कराने की मांग की जाने लगी है। यानी अब भाजपा अपने ही खेमे में घिरने लगी है। यही वजह है कि जातिगत जनगणना भाजपा के लिए मुश्किलें पैदा करती जा रही है।

दूसरी ओर जातिगत जनगणना की इतनी अधिक चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि बिहार की नीतीश-तेजस्वी की जोड़ी ने इस जनगणना के आंकड़ों को पेश करने की टाइमिंग बहुत सही चुनी है। नीतीश तेजस्वी ने ये आंकड़े उस समय पेश किए हैं जब देश में लोकसभा चुनावों में 6 महीने से भी कम का समय बाकी रह गया है। ऐसे मौके पर जातिगत जनगणना के आंकड़े पेश करना नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव का एक बड़ा सोचा-समझा कदम है। क्योंकि इन आंकड़ों के जारी होने से अब साफ है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में भी समीकरण बदल जाएंगे। क्योंकि अब बिहार में तो ये साफ ही हो गया है कि किसकी कितनी हिस्सेदारी है और अब ये पता चलने के बाद ये भी जाहिर है कि जिसकी जितनी हिस्सेदारी होगी, वो उतना ही भागेदारी भी बनना चाहेगा। बस यहीं पर भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। क्योंकि जाहिर है कि ऐसा करने से भाजपा का खेल बिगड़ सकता है। क्योंकि जाहिर है कि एक तो इन आंकड़ों के सामने आने के बाद अब लोकसभा चुनाव में जातीय जनगणना का मुद्दा 2024 के लोकसभा चुनाव का प्रमुख मुद्दा बन जाएगा। और बिहार में इसको सबसे पहले कराकर इंडिया गठबंधन इस मुद्दे पर भाजपा को घेरना चाहेगी। क्योंकि भाजपा शासित किसी भी राज्य में अब तक इसे लागू नहीं किया गया है। तो वहीं जातिगत जनगणना के आंकड़ों के जरिए नीतीश-तेजस्वी ने ओबीसी को रिझाने का भी काम किया है। ताकि वो ये दिखा सकें कि वो ओबीसी के सबसे बड़े हितैषी हैं।

हर कोई कर रहा ओबीसी को रिझाने का प्रयास

2024 के लिए बहुत पहले से ही ओबीसी को रिझाने की कवायद हर पार्टी की ओर से की जा रही है। फिर वो चाहे सत्ताधारी दल भाजपा हो, कांग्रेस हो या फिर उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी। सभी पिछड़ा और अति पिछड़ा वोट को अपने पाले में करने की कवायद में ही जुटे हैं। बिहार सरकार ने इसमें आंकड़े जारी कर 2024 से पहले अपना सबसे बड़ा तुरुप का इक्का फेंक दिया। पार्टी नेता के. सी. त्यागी का कहना है कि 2024 के चुनाव का अजेंडा सेट हो गया है। बात सिर्फ बिहार की नहीं है। पिछले कुछ महीने से कांग्रेस समेत कई क्षेत्रीय विपक्षी दल जातीय जनगणना करने का दबाव बनाकर पिछड़ों की राजनीति में पहल लेने की कोशिश कर रहे हैं। इनमें ज्यादातर क्षेत्रीय दलों के नेताओं ने 90 के दशक में मंडल के दौर में अपनी स्थिति मजबूत की थी। अब तक कांग्रेस इससे अलग रह रही थी, लेकिन राहुल गांधी की अगुवाई में पिछले कुछ दिनों से जाति जनगणना की मांग पर बहुत आक्रामक तरीके से सामने आई। महिला आरक्षण बिल में भी ओबीसी कोटे की मांग उठी। भाजपा को काउंटर करने की कोशिश भी उसी मजबूत तरीके से जारी है। दरअसल, 2014 के बाद नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा ने सियासत में सोशल इंजिनियरिंग की बदौलत दूसरे दलों पर बढ़त ली। कभी सवर्णों, शहरी मतदाताओं की पार्टी माने जाने वाले भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में पिछड़े वोटरों के बीच अपनी पैठ बहुत मजबूत की। बिहार-यूपी के संदर्भ में यह गैर यादव पिछड़ा और अति पिछड़ा वोट हो जाता है। इनके वोट की मदद से भाजपा इन राज्यों में अजेय दिखने लगी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से विपक्ष ने इस तबके में बीजेपी की बढ़त को महसूस किया और इनके बीच अपने नेतृत्व को बढ़ाने में जुटी।

ओबीसी ही सबसे बड़ा फैक्टर

सभी दलों का आकलन है कि 2024 में जिस सियासी टीम में जितने मजबूत मुद्दे और ओबीसी खिलाड़ी होंगे उसे उतना ही लाभ मिलेगा और चुनावी पिच पर बेहतर स्कोर कर पाएंगे। विपक्ष का मानना है कि अगर वह ओबीसी वोट में अपनी स्थिति नहीं सुधारती है, तो उसके लिए आने वाले दिनों में दिक्कत बढ़ेगी। इसके लिए पार्टी को ओबीसी से जुड़े मजबूत मुद्दे की भी जरूरत होगी। संख्या के लिहाज से भी यह सबसे बड़ा समूह है। साथ ही विपक्षी दलों को अहसास है कि भाजपा की आक्रामक कमंडल राजनीति को वह मंडल राजनीति से ही काउंटर कर सकती है। लगभग तीन दशक पहले देश में जातियों को जानने के लिए एकमात्र रिसर्च हुई थी। 1991 में तत्कालीन सरकार में संस्कृति मंत्रालय के निर्देश पर एंथ्रोपॉलिजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने पीपल ऑफ इंडिया नाम से एक सर्वे किया था। इसमें देश के धार्मिक-जातिगत सिस्टम को डिकोड करने की कोशिश हुई थी। पिछले 200 वर्षों में इस तरह की मात्र दो रिसर्च हुई हैं। एक 1870 में और दूसरा 1991 मे। 1991 की रिपोर्ट पर जानकारों का मानना है कि यह देश के सामाजिक ताने-बाने की जटिलता को सामने ताली है जो राजनीति के लिहाज से फिट नहीं बैठती। ऐसे में इन रिपोर्ट को दबाकर रखा गया।

एम-वाई बना बिहार का नया मजबूत समीकरण

बिहार सरकार के इन आंकड़ों से देश की सियासत में मंडल दौर की वापसी के संकेत दिखने लगे हैं। ये जो आंकड़े जारी हुए उस हिसाब से बिहार में तमाम जातियों और धर्म आधारित आबादी का वर्गीकरण किया गया। सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार में मुस्लिम-यादव का समीकरण और मजबूत बन कर सामने आया। क्योंकि ये दोनों मिलकर लगभग 32 फीसदी होते हैं। ऐसे में एक ओर जहां ये एमवाई फैक्टर सत्ता पक्ष के लिए कारगर है, तो वहीं भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। क्योंकि मुस्लिम-यादव वोट के रूप में चर्चित यह वोट आरजेडी का मजबूत वोट बैंक माना जाता रहा है। पेश आंकड़ों ने साबित कर दिया कि इन दोनों का वोट अगर आरजेडी को मिलता है तो वह एक मजबूत ताकत बनी रहेगी। इस रिपोर्ट ने इस बात को फिर साबित किया कि राज्य में अति पिछड़ों के हाथ में सत्ता की चाबी रहेगी। इनकी तादाद लगभग 36 फीसदी है। नीतीश कुमार ने इनके बीच अपनी पैठ बनाकर ही लालू यादव की पार्टी को सत्ता से हटाया था। अब नीतीश चूंकि आरजेडी के साथ हैं, अब यह वोट अगले चुनावों में सबसे बड़ा फैक्टर बनेगा। तो वहीं अब बिहार की राजनीति में सवर्ण राजनीति में सवाल उठेंगे। हालांकि, यह पता था कि उनकी संख्या कम है लेकिन महज 10 फीसदी की तादाद का आंकड़ा आने से उनकी भागीदरी पर सवाल उठ सकते हैं। राज्य की 40 सीटों में 8 राजपूत सांसद हैं, जिनकी तादाद लगभग 3 प्रतिशत है। भूमिहार और ब्राह्मण की तादाद 3-3 प्रतिशत से कम है। रिपोर्ट के बाद छोटी-छोटी जातियां, जिनकी आबादी कम है लेकिन उनकी तादाद बहुत है, पर फोकस फिर लौटेगा। साथ ही उसे नए सिरे से परिभाषित किया जाएगा। मल्लाह की आबादी उम्मीद से कम है। साथ ही इन सभी जातियों की तादाद के ठीक-ठीक आंकड़े आने से इनके नेताओं को नए सिरे से रणनीति बनानी पड़ सकती है। दूसरी ओर इन आंकड़ों के सामने के बाद यादव के बाद अब तीन जातियों की तादाद अपने दम पर प्रभाव दिखा सकती हैं तो वह कुशवाहा-पासवान और चमार हैं। तीनों को मिलाकर लगभग 15 फीसदी वोट होगा। अब इनके वोट में हिस्सेदारी के लिए बीजेपी और महागठबंधन में नई जंग देखने को मिल सकती है। अब समीकरण के हिसाब से भाजपा की हिस्सेदारी इनके बीच ज्यादा दिखती है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

स्वतंत्र आवाजों को दबाना अघोषित आपातकाल तो नहीं...

"दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में इस समय लोकतंत्र के खतरे में होने की बात कही जा रही है और ये बात इसलिए कही जा रही है क्योंकि इस लोकतांत्रिक देश में पिछले कुछ वक्त से वहां की मीडिया अपना काम, धर्म और कर्तव्य भूल चुकी है। लोकतंत्र के खतरे में होने की बात इसलिए भी की जा रही है क्योंकि इस लोकतांत्रिक देश में मीडिया अब रत्ती भर भी स्वतंत्र नहीं रहा है।

पत्रकारिता का असल धर्म ही है सच्चाई बताना और देश के हुक्मरानों से सवाल करना। यही वजह है कि मीडिया को संविधान का चौथा स्तंभ माना गया है। क्योंकि एक मजबूत लोकतंत्र के लिए उस देश की मीडिया का स्वतंत्र होना बहुत जरूरी होता है। लेकिन वर्तमान समय में दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में इस समय लोकतंत्र के खतरे में होने की बात कही जा रही है और ये बात इसलिए कही जा रही है क्योंकि लोकतांत्रिक देश में पिछले कुछ वक्त से वहां की मीडिया अपना काम, धर्म और कर्तव्य भूल चुकी है। इस देश में मीडिया अब रत्ती भर भी स्वतंत्र नहीं रहा है।

यहां पर अब मीडिया सिर्फ वो करता है, जो उससे उस देश की सरकार करने को कहती है। ये हालात किसी भी देश के लिए अच्छे नहीं हैं और खासकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के लिए तो बिल्कुल भी नहीं। यही कारण है कि अब इस देश में लोकतंत्र के खतरे में होने की बात कही जा रही है। क्योंकि पिछले लगभग साढ़े नौ सालों से देश की सत्ता में बैठे हुक्मरानों को सच सुनना बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं है। यही वजह है कि वर्तमान समय में दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में मेनस्ट्रीम मीडिया पर पूरी तरह से सरकार का अधिपत्य है। पिछले इन सालों में मीडिया सिर्फ वो ही दिखाती है और बताती है जो सरकार चाहती है। मीडिया भी सिर्फ रस्म अदायगी करती दिखी। ऐसा सिर्फ इसलिए क्योंकि सरकार को सत्ता से सवाल बिल्कुल भी पसंद नहीं है। इसीलिए अगर कुछ एक स्वतंत्र पत्रकार या मीडिया संस्थान सरकार से सवाल करने की हिम्मत या फिर लोगों को वो सच दिखाने की ताकत जुटा पाते हैं जो सच देखने की लोगों को जरूरत है, तो सरकार ऐसे पत्रकारों और ऐसे मीडिया संस्थानों की आवाज को दबाने का प्रयास करती है। इन आवाजों को दबाने के लिए सरकार इनके पीछे सरकारी एजेंसियां छोड़ देती है। जो अपने जाल में फंसाकर इनको दबाने का काम करती है। ये खेल पिछले साढ़े नौ सालों से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में खेला जा रहा है। इसका शिकार इस देश की कई ऐसी आवाजें और कई ऐसे पत्रकार व मीडिया संस्थान बन चुके हैं, जो शायद किसी भी देश के मजबूत लोकतंत्र के लिए जरूरी हैं। लेकिन उन आवाजों को इस देश में कभी सत्ता विरोधी बता दिया जाता है तो कभी उनके किसी दूसरे देशों से संबंध बता दिए जाते हैं। आए दिन इस तरह से इन आवाजों और पत्रकारों को दबाया जा रहा है। इन्हीं हालातों को देखते हुए ये सोचने पर मजबूर होना पड़ता है कि क्या वाकई में इस देश में लोकतंत्र खतरे में है.. और ऐसे हालात अघोषित आपातकाल तो नहीं है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

घरेलू रक्षा उद्योग को मजबूत करने की कवायद

उमेश चतुर्वेदी

देश की सुरक्षा को चाकचौबंद बनाने में भारतीय वायुसेना की महत्वपूर्ण भूमिका है। हालांकि विगत में भारतीय वायुसेना की निर्भरता विदेशी तकनीक पर ज्यादा रही है लेकिन अब एयरफोर्स लगातार स्वदेशी तकनीक पर निर्भर होती जा रहा है। भारतीय सशस्त्र बलों का उद्देश्य अपने लिए बेहतर सैन्य क्षमता हासिल करना है, जिससे देश सीमा पार से मिलने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सके। भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं की वजह से रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक के आधार पर ताकतवर बनने की तैयारी में है। इस स्वदेशीकरण का असर दिख भी रहा है। वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट ने साल 2022 की ग्लोबल एयर पॉवर्स रैंकिंग जारी की थी, जिसमें भारतीय वायुसेना को दुनिया की छठी सबसे मजबूत वायु सेना के रूप में स्थान दिया गया है। इस रैंकिंग में विमानों की संख्या और उनकी लड़ाकू क्षमता को आधार बनाया गया है।

भारतीय वायुसेना को शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए लड़ाकू प्लेटफार्मों, हेलीकॉप्टरों, रात्रि दृष्टि उपकरणों और अन्य महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों व बुनियादी ढांचे की कमियों को मजबूत करने की भी जरूरत है। जिसे प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के जरिये देश में संयुक्त उद्यम लगाकर हासिल किया जा रहा है। इसमें रूस, इस्राइल, फ्रांस और संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण हो रहा है। इससे भारत को अपने घरेलू रक्षा उद्योग को मजबूत करने में मदद मिल रही है। भारतीय वायु सेना ने हाल ही में एक घोषणा की जिसके मुताबिक, स्वदेशी एयरोस्पेस क्षेत्र को बढ़ावा देते हुए करीब 100 से अधिक भारत-निर्मित एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू जेट खरीदने की योजना लागू की जा रही है। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने इसकी घोषणा स्पेन में तब की, जब उन्होंने पहला सी-295 परिवहन विमान प्राप्त किया। वायुसेना प्रमुख के मुताबिक, मिग 23 और मिग -27 विमानों को नियमानुसार बदलने के लिए जरूरी है कि देश के पास एलसीए श्रेणी के पर्याप्त विमान हों।

इसलिए, 83 एलसीए मार्क 1ए के अलावा लगभग 100 और विमानों के लिए मामला आगे बढ़ा रहे हैं। भारतीय वायुसेना प्रमुख ने स्वदेशी फाइटर जेट कायक्रम को लेकर पिछले महीने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड समेत सभी संबंधित पक्षों के साथ समीक्षा बैठक की थी। उस समय, इनमें से लगभग 100 अतिरिक्त विमान खरीदने

का निर्णय लिया गया था। आने वाले दिनों में वायुसेना के पास 40 एलसीए, 180 से ज्यादा एलसीए मार्क-1ए और कम से कम 120 एलसीए मार्क-2 हवाई जहाज होंगे। एलसीए मार्क1ए के लिए आखिरी ऑर्डर 83 विमानों के लिए था और पहला हवाई जहाज फरवरी 2024 के आसपास वितरित किया जाएगा। एलसीए मार्क 1ए तेजस विमान का उन्नत रूप है जिसमें स्वदेशी सामग्री 65 प्रतिशत से भी अधिक होगी। करीब एक साल पहले जोधपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा डिजाइन और विकसित किए गए 'प्रचंड' लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) को भारतीय वायु सेना में औपचारिक रूप से शामिल किया था। दरअसल, स्वदेशी डिजाइन और विकास के प्रति भारतीय वायुसेना द्वारा जताया गया भरोसा और समर्थन मारुत, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट, आकाश मिसाइल सिस्टम, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर और लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर जैसे उदाहरणों से स्पष्ट है। स्वदेश निर्मित एलसीएच आधुनिक युद्ध की आवश्यकताओं और संचालन की विभिन्न परिस्थितियों में आवश्यक गुणवत्ता मानकों को पूरा करता है। यह आत्म-सुरक्षा करने, विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद ले जाने और इसे तुरंत क्षेत्र में पहुंचाने में सक्षम है। एलसीएच सेना और वायु सेना दोनों के लिए उपयोगी है। एलसीएच एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित पहला स्वदेशी मल्टी-रोल कॉम्बैट हेलीकॉप्टर है। जमीनी हमले और हवाई युद्ध की क्षमता है। आधुनिक स्टील्थ विशेषताएं, मजबूत कवच सुरक्षा और रात में हमला करने की क्षमता है।

आज भारतीय सेना न सिर्फ स्वदेशी तकनीक आधारित शस्त्रों और सहयोगी रक्षा उत्पादनों में सक्रिय है, बल्कि रक्षा उत्पादन का कारोबार भी बढ़ाया हुआ है। साल 2027 तक देश की रक्षा जरूरतों का अधिकांश हिस्सा खुद उत्पादित करने और इसके जरिये विदेशी मुद्रा की बचत का लक्ष्य रखा गया है। स्वदेशी रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने इस दिशा में जहां शोध और तकनीकी विकास पर फोकस किया,वहीं रक्षा उद्योग के लिए कार्यरत भारत डायनेमिक्स लिमिटेड समेत सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा उत्पादन कंपनियों ने अपने कामकाज की शैली में बदलाव लाने की दिशा में तेजी दिखाई।

खामोश चहलकदमी से रचनात्मक ऊर्जा

रेनू सैनी

सुबह का प्रारंभ वॉक पर जाने से किया जाए तो सुबह उत्तम हो जाती है। व्यस्तता के कारण लोगों ने वॉक के समय को बहुकार्यों में विभाजित कर लिया था। मसलन वॉक पर संगीत सुनना, फोन पर मित्रों से बातें करना, ऑफिस के लिए नोट बनाना, पॉडकास्ट सुनना और अपने प्रियजनों को संदेश भेजना आदि। लोगों का मानना है कि ऐसा कर वे वॉक करके अपने स्वास्थ्य पर तो ध्यान दे ही रहे हैं, इसके साथ-साथ अपने कामों को भी होशियारी और कुशलता से निपटा रहे हैं। पर क्या वाकई ऐसा है? आज से पचास साल पीछे के जीवन को अपने माता-पिता या दादा-नानी से पूछकर देखिए कि उस समय सुबह के समय लोग कैसे टहला करते थे? यही जवाब आएगा कि उस समय मोबाइल, पॉडकास्ट जैसी चीजें नहीं थीं। इसलिए वे पार्क में घूमते समय वहां घूमने वाले साथियों को देखकर मुस्कुराते थे, उनके साथ मिलकर व्यायाम करते थे।

अध्यात्म और ध्यान उनके वॉक की शक्ति को कई गुना बढ़ा देता था। सुबह की सूरज की नवकिरणें जब मुख पर पड़े तो हमारा पूरा ध्यान केवल सुबह की ताजी किरणों और सूर्य की लाली पर होना चाहिए। यदि हम फोन में लगे रहेंगे, संगीत सुनेंगे तो प्रकृति की खूबसूरती से वंचित हो जाएंगे। शोर के बीच में शांति को महसूस करना असंभव है। साइलेंट वॉक का अर्थ ही है बिना किसी व्याकुलता के टहलना। जब व्यक्ति साइलेंट वॉक करता है तो उसका मस्तिष्क रचनात्मक हो जाता है क्योंकि उस समय वह केवल अपने विचारों के साथ होता है। वहीं यदि वॉक के समय उसके साथ फोन और संगीत होता है तो विचारों की श्रृंखला टूट जाती है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में इन्फर्मेशन साइंस की प्रोफेसर ग्लोरिया मार्क कहती हैं कि, 'लगातार एक काम से दूसरे काम पर जाने से हमारा फोकस घटने लगता है, मानसिक ऊर्जा कम होने लगती है।' साइलेंट वॉक करने से वह मानसिक ऊर्जा शक्ति में परिवर्तित होकर वापस लौट आती है। कंटेंट क्रिएटर एरियल लॉरे कहती हैं, 'मैं सप्ताह में चार बार 45 मिनट के लिए साइलेंट वॉक करती हूं।

अब मुझे बेहतर नींद आती है। मन शांत रहता है। मैं पूरे दिन ऊर्जावान रहती हूं।' द जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल साइकोलॉजी के अध्ययन के अनुसार 30 मिनट साइलेंट वॉक से लोगों का नकारात्मक विचारों पर फोकस करने का समय घट गया। इससे रचनात्मकता के साथ-साथ अवसाद से बचने में भी मदद मिली। साइलेंट वॉक मांसपेशियों में खून के बहाव और ऑक्सीजन की सप्लाई बढ़ाकर हृदय को स्वस्थ रखती है। साइलेंट वॉक से सहनशक्ति बढ़ती है और व्यक्ति के अंदर चुनौतियों का सामना करने की सामर्थ्य में वृद्धि होती है। अनेक महापुरुष साइलेंट वॉक के महत्व को समझते थे। महात्मा गांधीजी साइलेंट वॉक करना पसंद करते थे। वे अक्सर साइलेंट वॉक पर जाया करते थे। इसी दौरान वे मार्ग में आने वाली गंदगी को साफ करते जाते थे और अनेक नए विचारों से मस्तिष्क को समृद्ध करते जाते थे। एक बार वे नौआखली में पैदल एक गांव से दूसरे गांव में घूम रहे थे। अक्सर घूमते हुए वे हरिजन व दबे-कुचले लोगों में जीने की उमंग उत्पन्न करते थे। उन्हें जागरूक करने के लिए वह हर कार्य को पहले स्वयं करते थे ताकि लोगों को उन पर विश्वास हो जाए कि उन्हें छोटे से छोटे काम के लिए प्रेरित करने वाला व्यक्ति खुद किसी कार्य को छोटा नहीं समझता है। एक दिन मनुजी उन्हें टोकते हुए बोलीं, 'बापूजी, आप घूमते हुए अक्सर मूक चलते हैं और हर पगबाधा को दूर करते जाते हैं। मार्ग में आने वाली हर गंदगी को आप स्वयं साफ कर देते हैं। आखिर आप ऐसा क्यों करते हैं?' इस पर गांधी जी मुस्करा कर मनु से बोले, 'तू नहीं जानती। ऐसे काम करना मुझे बहुत पसंद है। दूसरा मैं जब ऐसे काम स्वयं करूंगा तभी तो लोग भी अकेले चलते हुए अपने विचारों को पुष्ट करने का प्रयास करेंगे और देश से गंदगी को मिटाने के लिए दृढ़ संकल्प होंगे। उनके अंदर सहनशीलता, दृढ़ता और धैर्य का विकास तभी हो सकता है जब वे अकेले में शांत भाव से विचरण करें, टहलें और दृढ़संकल्प होकर कार्य करें।'

गांधीजी भी मानते थे कि पैदल चलते समय दूसरे कामों में उलझने से मस्तिष्क की उर्वराशक्ति काम नहीं करती। मस्तिष्क की उर्वरा शक्ति को उपजाऊ बनाने के लिए यह जरूरी है कि व्यक्ति शांति से प्रकृति के संग विचरण करे और आसपास होने वाली समस्याओं के समाधान को हल करे। आजकल तीस पार युवाओं में ही जोड़ों की समस्या उत्पन्न होने लगती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि युवा लगातार एक ही जगह पर बैठने का काम करते हैं। उनका शरीर एक ही स्थान पर बैठे-बैठे अकड़ने लगता है। साइलेंट वॉक से व्यक्ति के शरीर के अंदरूनी अंगों को राहत मिलती है और वे स्वस्थ रहते हैं। साइलेंट वॉक व्यक्ति के तन-मन को तो स्वस्थ रखता ही है, इसके साथ ही उनके अंदर बड़ी-बड़ी समस्याओं को हल करने की शक्ति भी प्रदान करता है।

अध्यात्म और ध्यान उनके वॉक की शक्ति को कई गुना बढ़ा देता था। सुबह की सूरज की नवकिरणें जब मुख पर पड़े तो हमारा पूरा ध्यान केवल सुबह की ताजी किरणों और सूर्य की लाली पर होना चाहिए। यदि हम फोन में लगे रहेंगे, संगीत सुनेंगे तो प्रकृति की खूबसूरती से वंचित हो जाएंगे। शोर के बीच में शांति को महसूस करना असंभव है। साइलेंट वॉक का अर्थ ही है बिना किसी व्याकुलता के टहलना। जब व्यक्ति साइलेंट वॉक करता है तो उसका मस्तिष्क रचनात्मक हो जाता है क्योंकि उस समय वह केवल अपने विचारों के साथ होता है।

पहाड़ों पर ट्रैवलिंग

इन चीजों को जरूर ले जाएं साथ

अगर आप घूमने के शौकीन हैं, तो जाहिर है कि आप देश ही नहीं बल्कि दुनिया की कई जगहों पर जाते होंगे। कोई अपने दोस्तों संग, कोई अपने पार्टनर संग, कोई अपने परिवार संग तो कई लोग तो अकेले ही घूमना पसंद करते हैं। पर आपने एक चीज देखी होगी कि ज्यादातर लोगों को पहाड़ों पर घूमना पसंद है। लोग गर्मियों की छुट्टियों में या कई अन्य छुट्टियों के मौके पर पहाड़ों पर घूमने का प्लान करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जब आप पहाड़ों पर घूमने जाएं, तो आपको कौन सी चीजें अपने साथ ले जानी चाहिए? शायद नहीं, लेकिन आपके लिए ये जानना जरूरी है। वरना आपको दिक्कत हो सकती है।

गर्म कपड़े

अगर आप पहाड़ों पर छुट्टियां मनाने जा रहे हैं, तो आपके लिए जरूरी है कि आपको अपने साथ कुछ गर्म कपड़े ले जाने चाहिए। अगर आपके साथ छोटे बच्चे हैं, तो उनके लिए गर्म कपड़े जरूर रख लें। वरना पहाड़ों पर ठंड के कारण आपको और बच्चों को दिक्कत हो सकती है।

घर का फास्ट फूड

कई बार देखने में आता है कि लोगों को जगह-जगह का खाना पचता नहीं है। ऐसे में अगर आप चाहें तो अपने साथ घर पर बना हल्का स्नैक्स ले जा सकते हैं। इसके अलावा कई बार पहाड़ों पर चीजें महंगी भी मिलती है। ऐसे में आप अपने साथ नमकीन, कोल्ड ड्रिंक जैसी चीजें ले जा सकते हैं, जिससे आपके पैसे भी बच सकते हैं।

दवाएं

आप जब भी यात्रा पर जाएं, तो अपने साथ दवाएं जरूर रख लें। जैसे- जी मिचलाना, उल्टी आना, सिरदर्द होना और बुखार आदि दवाएं साथ रखकर ले जाएं। ऐसा इसलिए क्योंकि कई बार यात्रा के दौरान आपको ये दिक्कतें हो सकती है। ऐसे में दवा पास होगी तो दिक्कतें नहीं होगी।

पावरबैंक

पहाड़ी इलाके में कई बार लाइट की भी समस्या हो जाती है, जिससे आपके मोबाइल या अन्य गैजेट्स को चार्ज होने में दिक्कत हो सकती है। ऐसे में आप अपने साथ पावरबैंक ले जा सकते हैं। इसके अलावा अपने साथ टॉर्च आदि भी ले जाना न भूलें, क्योंकि पहाड़ों में ये बड़ी काम आ सकते हैं।

हंसना मना है

मरीज (डॉक्टर से)-मैं रोज 50 रुपये की दवाई ले रहा हूं, पर कोई फायदा नहीं हो रहा! डॉक्टर- अब तुम मुझसे 40 रुपये वाली दवाई ले जाओ, इससे तुम्हे रोज 10 रुपये का फायदा होगा!

टीचर- टिल्लू तुम बताओ, बड़े होकर क्या बनोगे? टिल्लू, शरमाते हुए- दूल्हा, टीचर- अरे मेरा मतलब है, बड़े होकर क्या पाना चाहते हो? टिल्लू, शरमाते हुए- दुल्हन, टीचर- उफ्फोह, मुझे बताओ, बड़े होकर ऐसा क्या करोगे जो तुमने अभी तक नहीं किया? टिल्लू- जी शादी!

टीचर- घर की परिभाषा बताओ, टीटू- जो घर हौसले से बनाये जाते हैं उसे हाऊस कहते हैं, जिन घरों में होम-हवन होते हैं उन्हें होम कहते हैं, जिन घरों में हवा ज्यादा चलती है उन्हें हवेली कहते हैं, जिन घरों में दीवारों के भी कान होते हैं उन्हें मकान कहते हैं, जिन घरों के लोन के इंस्टॉलमेंट भरते-भरते आदमी लेट जाता है उन्हें फ्लैट कहते हैं, और जिन घरों में यह भी न पता हो कि बगल के घर में कौन रहता है उन्हें बंगला कहते हैं। टीटू को student of the year चुना गया।

कहानी — अपने लक्ष्य पर ध्यान

एक बार की बात है। एक तालाब में कई सारे मेढ़क रहते थे। उन मेढ़को में एक राजा मेंढक था। एक दिन सारे मेढक ने कहा, क्यों न कोई प्रतियोगिता खेली जाए। तालाब में एक पेड़ था। राजा मेंढक ने कहा कि जो भी इस पेड़ पर चढ़ जाएगा, वह विजई कहलाएगा। सारे मेढ़क द्वारा यह प्रतियोगिता स्वीकार कर ली गई और अगले दिन उस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी मेंढक तैयार थे। इस प्रतियोगिता मैं भाग लेने के लिए सारे मेंढक जैसे ही प्रतियोगिता शुरू हुई एक एक करके उस पेड़ पर चढ़ने लगे। कुछ मेढ़क ऊपर चढ़ते गए और फिर फिसलते गए। फिर नीचे गिर जाते थे। ऐसे ही कई मेंढक ऊपर चढ़ते रहे और फ़िसलते रहे और फिर नीचे गिर जाते। इसी बीच कुछ मेढ़क ने हार मान कर बंद कर चढ़ना बन्द कर दिया। परंतु कुछ मेढ़क चढ़ते रहे, जो मेढ़क नहीं चढ़ पाए थे और छोड़ दिया था। वह कह रहे थे कि इस पर कोई चढ़े ही नहीं पाएगा। यह असंभव है, असंभव है । इस पर कोई नहीं चढ़ सकता। जो मेंढक दोबारा चढ़ रहे थे, उन्होंने भी हार मान ली। परंतु उनमें से एक मेंढक लगातार प्रयास करता रहा। लगातार प्रयास करने के कारण अंत में वह पेड़ पर चढ़ गया और सभी मित्रों द्वारा तालियां बजाई गई और सबने उससे चढ़ने का कारण पूछा उनमें से एक पीछे से एक ने कहा यह तो बहरा है, इसे कुछ सुनाई नहीं देता। उस बहरे मेंढक के एक दोस्त ने उससे पूछा तुमने यह कैसे कर लिया। उसने कहा मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा था। मुझे लग रहा था कि नीचे खड़े यह लोग मुझे प्रोत्साहित कर रहे हैं कि तुम कर सकते हो। अब तुम ही हो तुम कर सकते हो और मैं आखिरकार इस पेड़ पर चढ़ गया । सब ने उसकी खूब तारीफ की और उसे पुरस्कृत किया गया।

शिक्षा- इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें सिर्फ अपने लक्ष्य पर केंद्रित होना चाहिए दुनिया क्या कहती है, उस पर ध्यान बिल्कुल नहीं देना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी।

वृषभ — घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा।

मिथुन — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कर्क — 'किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

सिंह — वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा।

कन्या — शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

तुला — शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी।

वृश्चिक — घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा।

धनु — आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मकर — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

कुम्भ — शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है।

मीन — आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कंगना के दमदार अवतार को देख लोगों के उड़े होश

रॉनी स्क्रूवाला के प्रोडक्शन हाउस आरएसवीपी मूवीज़ के बैनर तले बनी, कंगना रनौत अभिनीत आगामी फिल्म तेजस का दर्शकों द्वारा उत्सुकता से इंतजार किया जा रहा है। फिल्म को 27 अक्टूबर को रिलीज करने की घोषणा करने के साथ मेकर्स ने दर्शकों के उत्साह को एक अलग स्तर पर पंहुचा दिया है। वहीं गांधी जयंती के अवसर पर फिल्म का बहुप्रतीक्षित टीज़र रिलीज कर दिया गया है।

गांधी जयंती के खास मौके पर आखिरकार तेजस का टीजर रिलीज हो गया है। वायु सेना के पायलट तेजस गिल की मुख्य भूमिका में सुपर टैलेंटेड कंगना रनौत को पेश करते हुए, टीज़र रोंगटे खड़े कर देने वाले बीजीएम और प्रेरणादायक होने के साथ ही गर्व महसूस कराने वाले सीन्स से भरपूर है।

टीज़र असल में देश के गौरव को जगाते हुए, एक्शन से भरपूर रोमांच की गारंटी देता है। इसके अलावा, टीज़र ने अपने भारत को छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं डॉयलाग के साथ दर्शकों के बीच जोश भर दिया है, दूसरी तरफ यह कहना गलत नहीं होगा कि इसके साथ ही फिल्म के ट्रेलर के लिए टीजर को देखने के बाद उत्साह बढ़ गया है, जो 8 अक्टूबर 2023 को रिलीज़ होने के लिए तैयार है। बता दें कि तेजस एक वायु सेना पायलट तेजस गिल की असाधारण यात्रा की कहानी है जो उसके इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म का उद्देश्य हर एक भारतीय को प्रेरित करना और उन्हें गर्व महसूस कराना है। इस फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे हमारे वायु सेना के पायलट अपने रास्ते में कई चुनौतियों का सामना करते हुए हमारे देश की रक्षा के लिए अथक प्रयास करते हैं। आरएसवीपी द्वारा निर्मित, तेजस में मुख्य भूमिका में कंगना रनौत हैं। सर्वेश मेवाड़ा द्वारा लिखित और निर्देशित और रॉनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित, यह फिल्म 27 अक्टूबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

तेजस का टीज़र हुआ रिलीज

शाहरुख खान के साथ सेल्फी के लिए रणवीर के आगे मैं गिड़गिड़ाई : रिचा

ऋचा चड्ढा इन दिनों अपनी फिल्मों को लेकर खबरों में बनी हुई है। एक्ट्रेस की अपकमिंग फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इसी बीच एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख खान से जुड़े एक किस्से की कहानी बताई। ऋचा ने बताया कि जब उनकी फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर रिलीज हुई थी तब फिल्म को काफी लोकप्रियता मिली थी। फिल्म के लिए एक्ट्रेस को क्रिटिक अवार्ड भी मिला था, हालांकि इस अवार्ड के मिलने की उनको उम्मीद नहीं थी। अवार्ड डिस्ट्रीब्यूशन के वक्त जब ऋचा बैक स्टेज थी तब उनके साथ रणवीर सिंह मौजूद थे और उसी वक्त शाहरुख खान वहां आ गए थे।

ऋचा चड्ढा ने इंटरव्यू में आगे कहा कि, मैं उन्हें देखते ही इतनी एक्ससिटेड हो गई कि मैंने रणवीर सिंह से रिक्वेस्ट करना शुरू कर दिया कि प्लीज वो मेरी शाहरुख खान के साथ एक फोटो खींच दे। रणवीर सिंह ने उनसे कहा था की अभी शाहरुख का मूड नहीं है। इतना सुनने के बाद एक्ट्रेस ने रणवीर के आगे हाथ पैर जोड़ने शुरू कर दिए थे, वो रणवीर से बस बार-बार ये कह रहीं थी कि मैं बस उनके साथ फोटो लुंगी। जिसके बाद रणवीर फोटो के लिए किंग खान से बात करने गए थे और तब शाहरुख ने ऋचा के साथ फोटो क्लिक कराई थी। हालांकि ऋचा ने कहा था कि उस फोटो में वो बहुत खराब लग रही थीं पर फिर भी उस फोटो को उन्होंने कई दिनों तक अपने स्टेटस पर रखा था।

फुकरे-3 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की तरफ से मिक्स रिस्पांस मिले हैं। फुकरे फ्रेंचाइजी की ये तीसरी फिल्म है। फिल्म में ऋचा के साथ पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा, मनजोत सिंह और पंकज त्रिपाठी अहम किरदार में हैं। फिल्म में हमेशा की तरह ऋचा चड्ढा भोली के किरदार से सबका मनोरंजन करती दिख रहीं हैं। एक्ट्रेस जल्द ही पति अली फजल के साथ एक पॉडकास्ट शो वायरस 2062 में नजर आएंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

शाहरुख की सोशल मीडिया टीम ने मुझे टारगेट किया : विवेक अग्निहोत्री

विवेक अग्निहोत्री की हालिया रिलीज फिल्म द वैक्सीन वॉर सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म 28 सितंबर को रिलीज हुई थी, जिसे कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। विवेक अग्निहोत्री की पिछली फिल्मों की तरह यह फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। वहीं दर्शकों की तरफ से फिल्म को मिलाजुला रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस बीच निर्देशक ने शाहरुख खान को लेकर बयान दिया है, जो वायरल हो रहा है। बॉक्स ऑफिस पर शाहरुख खान की जवान धमाल मचा रही हैं। ऐसे में अब विवेक अग्निहोत्री ने किंग खान की फिल्मों पर हमला बोला है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में विवेक अग्निहोत्री ने शाहरुख खान पर गंभीर आरोप लगाया है। निर्देशक ने कहा कि शाहरुख की सोशल मीडिया एजेंसी ने मुझे टारगेट किया है। उनकी एजेंसी द्वारा ट्रोल्स और बॉट्स बनाए गए हैं। शाहरुख की पठान और जवान को लेकर विवेक ने कहा कि मैंने हमेशा से उनकी तारीफ की है, कभी कुछ निगेटिव नहीं बोला है। लेकिन मैंने जो अभी उनकी फिल्में देखी हैं, वह बहुत सतही लगी हैं। ये फिल्में मेकिंग का स्टैंडर्ड नहीं हो सकता है। मुझे लगता है कि वह इससे बहुत अच्छा कर सकते हैं। द वैक्सीन वॉर के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म चार दिनों में सिर्फ 6 करोड़ रुपये की कमाई की है। ये फिल्म सिनेमाघरों में फुकरे-3 और चद्रमुखी 2 के साथ रिलीज की गई थी। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कई फिल्मों के साथ क्लेश के वजह से भी द वैक्सीन वॉर के पसीने छूट गए।

अजान बाबा के मंदिर में लगे इस पेड़ की आज तक नहीं हो पाई पहचान

जिले के पनगरा गांव में एक अजीबोगरीब मंदिर है, जिसे अजान बाबा के नाम से जाना जाता है। अजान बाबा जिसका मतलब है, जिसे आज तक कोई जान नहीं पाया। मंदिर के गर्भगृह में भगवान हनुमान की प्रतिमा विराजमान है। जो पास के ही तालाब में सैकड़ों वर्ष पहले अजान बाबा के पेड़ के पास से मिली थीं।

मंदिर के बगल में एक कुआं है, जिसकी मान्यता है कि उसका जल अमृत समान है। जब गांव में भीषण अकाल पड़ा था तब नदी, नाके, गांव भर के कुएं, सब सूख गए थे, लेकिन तब भी यहां का जल नही सूखा और गांव के लोगों की प्यास मिटाई। माना जाता है इस कुएं का जल कई दिनों तक रखने पर भी खराब नहीं होता है। मंदिर के पुजारी राकेश महराज ने बताया की यहां एक विशालकाय वृक्ष था जिनकी शाखा से 2 अन्य वृक्ष निकले हैं जो कई औषधीय गुणों से परिपूर्ण है। जिससे कई तरह के रोग ठीक होते हैं। यह एक अनजान वृक्ष है। जिसे आज तक कोई पहचान ही नहीं पाया तब कई वनकर्मी और अधिकारी आए लेकिन इस वृक्ष का पता नहीं चला। ठीक इसी वृक्ष के समीप हनुमान जी की मूर्ति मिली, जिसे इसी वृक्ष के नीचे स्थपित किया गया और अजानबाबा के नाम से यह प्रसिद्ध हुए। मंदिर का शिखर बहोत ही अद्भुत है। जिसमें राम-सीता और लक्ष्मण की अनोखी मूर्ति बनाई गई है, जो काफी आकर्षक है। इन तीनों की अनुपम झांकी जेल से छूटे एक कैदी के द्वारा बनाई गई है। स्थानीय लोगों ने बताया की कैदी की मनोकामना अजानबाबा ने पूरी की थी। इसीलिए उसने उनकी झांकियों का निर्माण खुद से किया था। हफ्ते में दो दिन मंगलवार और शनिवार को यहां सैकड़ों व हजारों की संख्या में अर्जी लगाने वालों की भीड़ लगती है और मनोकामना पूर्ण होने पर कथा की परंपरा है। यहां विशाल भंडारों का आयोजन भी होता रहता है। अजानबाबा का यह मंदिर सतना जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर अंटरा गांव में स्थित है।

अजब-गजब | शायद ही आप जानते होंगे कारण

क्या आप जानते हैं काली-पीली धारियों में क्यों रंगे होते हैं सड़क पर बने डिवाइडर

सड़क पर चलते वक्त आपको कई ऐसी चीजें दिखाई दे जाती होंगी जो अपने में बेहद अनोखी होती हैं। कई बार इन चीजों की बनावट, रंग-रूप ऐसा होता है कि उनको लेकर लोगों के अंदर और अधिक जानने की उत्सुकता पैदा होती है। ऐसी ही एक चीज है डिवाइडर। आने-जाने वाली सड़कों को बांटने के लिए उनके बीच में एक डिवाइडर बनाया जाता है। आपने वो तो जरूर देखा होगा। पर आपको भी ये जानने की उत्सुकता हुई होगी कि आखिर उनके ऊपर काली-पीली धारियां क्यों बनाई जाती हैं। आज हम इसी बात का जवाब आपको देने जा रहे हैं।

सड़क पर, खासकर किसी हाइवे या ऐसी रोड्स पर चलना, जिसपर ट्रैफिक बहुत ज्यादा हो, खतरनाक हो सकता है। ऐसे में ट्रैफिक नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। नियमों के पालन करने के अलावा भी प्रशासन, चालकों की सुविधा के लिए लोग पर ऐसी चीजें बनाती है, जिससे वो आसानी से सड़क पर चल सकें। डिवाइडर पर काली पीली लाइनें बनाने का भी यही कारण होता है। रीड सिविल नाम की सिविल इंजीनियर्स की ऑनलाइन मैगजीन के अनुसार डिवाइडर को काले-पीले रंग में रंगने का कारण है कि वो अंधेरे में और भी ज्यादा आसानी से नजर आएं। भारतीय सड़कों के डिवाइडर पर ये पीली काली धारियों वाले डिवाइडर आसानी से दिख जाते हैं। कोहरे के वक्त या फिर अंधेरे में, काला, पीला और सफेद रंग ही आसानी से दिखता है। इंटरनेशनल हाइवे कोड्स के अनुसार भी इन्हीं रंगों को मान्यता प्राप्त है। इन रंगों पर लाइट पड़ने से वो ज्यादा रिफ्लेक्ट हो जाती है। पीले और काले का पैटर्न आंखों को तुरंत दिखाई दे जाता है और दूर से आ रही कार में बैठे व्यक्ति की नजर उसपर पड़ जाएगी। धारियों की बात हो रही है तो आपने ये भी गौर किया होगा कि सड़कों पर सफेद या पीली धारीदार लाइनें भी बनी होती हैं। ये लाइनें रोड पर चलने में मदद करती हैं। जब सफेद लाइन बनी होती है तो उसका अर्थ ये होता है कि चालक ओवरटेक नहीं कर सकते, वहीं जब सड़क पर टूटी ही सफेद लकीरें बनी होती हैं, तो इसका अर्थ होता है कि रोड पर ओवरटेक किया जा सकता है। इसके बारे में अधिक जानने के लिए आप इस लिंक पर क्लिक कर सकते हैं- सड़क पर क्यों होती हैं सफेद-पीली धारियां, बीच की पट्टियों का क्या है मतलब? आपकी सुरक्षा के लिए हैं जरूरी!

भाजपा-बीआरएस की जुगलबंदी ने तेलंगाना को किया बर्बाद : राहुल गांधी

» बोले- बीआरएस मतलब 'बीजेपी रिश्तेदार समिति'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इस साल पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। जिन राज्यों में चुनाव होने हैं उनमें तेलंगाना भी शामिल है। यही वजह है कि तेलंगाना में भी सियासी माहौल काफी गरम है और नेताओं के लगातार दौरे लग रहे हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कल तेलंगाना पहुंचे थे। जहां प्रदेश के निजामाबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने राज्य के सत्ताधारी दल बीआरएस यानी भारत राष्ट्र समिति पर जमकर हमला बोला।

इस दौरान पीएम मोदी ने बीआरएस पर निशाना साधते हुए उसे भारतीय रिश्तेदार समिति कहकर सभी दलों के साथ रिश्तेदारी गांठने का संकेत दिया। पीएम मोदी के इस हमले के बाद अब बीआरएस के साथ-साथ कांग्रेस की ओर से भी पीएम मोदी पर निशाना साधा है। इसपर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी पीएम के बयान को आधार बनाकर कहा कि दोनों ही दलों बीजेपी-बीआरएस ने तेलंगाना को नुकसान पहुंचाया है।

एनडीए में शामिल होना चाहते थे केसीआर : पीएम

पीएम मोदी ने निजामाबाद में संबोधन करते हुए सूबे के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को लेकर भी एक बड़ा दावा किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि के. चंद्रशेखर राव मेरे पास दिल्ली आए थे और कहा था कि वह तेलंगाना की जिम्मेदारी केटीआर (बेटे) को देना चाहते हैं। मोदी ने दावा किया कि उन्होंने एनडीए में शामिल होने की भी इच्छा जाहिर की थी, लेकिन मैंने मना कर दिया।

केटीआर ने पीएम मोदी के दावों को बताया फर्जी

हालांकि पीएम के इस बयान पर केटी रामा राव (केटीआर) ने पलटवार किया है। केटीआर ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के दावे फर्जी हैं। केटीआर ने कहा कि पूरी तरह से बेबुनियाद और गढ़ी गई बातें पीएम मोदी कर रहे हैं। सीएम केसीआर के बेटे केटीआर ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम मोदी के दावे अपने आप में विपरीत हैं। एक तरफ पीएम कहते हैं कि बीआरएस ने कर्नाटक में कांग्रेस को फंड किया है और दूसरी ओर कहते हैं कि बीआरएस एनडीए में शामिल होना चाहती थी। जाहिर सी बात है दोनों बयान एक दूसरे के विपरीत हैं।

जनता इस बार भाजपा-बीआरएस को ठुकराकर बनाएगी कांग्रेस की सरकार

पीएम मोदी के बयान पर भाजपा के साथ-साथ तेलंगाना की सत्ताधारी पार्टी बीआरएस पर राहुल गांधी हमला बोला है। भाजपा बीआरएस को आड़े हाथों लेते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जो मैंने कहा था आज पीएम मोदी ने उसे खुलेआम कबूल कर लिया। बीआरएस मतलब 'बीजेपी रिश्तेदार समिति'। राहुल ने कहा कि भाजपा-बीआरएस की पार्टनरशिप ने पिछले दस सालों में तेलंगाना को तबाह कर दिया है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि लोग समझदार हैं और इनका खेल समझ गए हैं। इस बार वो इन दोनों को ठुकरा कर कांग्रेस की 6 गारंटी वाली सरकार बनाएंगे।

आईएएस अभिषेक सिंह ने दिया इस्तीफा, फरवरी से चल रहे थे निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह ने भारतीय प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दिया है। वे गुजरात विधानसभा चुनाव में प्रेक्षक ड्यूटी के दौरान कार के आगे फोटो खिंचवा कर सोशल मीडिया पर डालने के कारण चर्चा में आए थे। उन्हें अपने नए कार्यभार के बारे में पोस्ट करने के कारण फरवरी 2023 में सेवा से निलंबित कर दिया गया था।

अभिषेक सिंह 2011 बैच के यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। उनकी पत्नी दुर्गा शक्ति नागपाल भी आईएएस हैं और बांदा की कलेक्टर हैं। अभिषेक सिंह के बारे में चर्चा है कि वो जल्द ही अपनी अगली पारी की शुरूआत सियासत में करेंगे। उनके लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चाओं का बाजार गर्म है। अभिषेक सिंह उत्तर प्रदेश के जौनपुर के रहने वाले हैं। उन्होंने कई फिल्मों में और गानों में अभिनय किया है। कुछ दिन पहले उन्होंने जौनपुर में गणेशोत्सव का भव्य आयोजन किया था जिसमें मुंबई से भी कुछ फिल्मी सितारे शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम को 2024 के लोकसभा चुनाव लड़ने की उनकी तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है।

नीतीश के पदचिह्नों पर चल रही ओडिशा की पटनायक सरकार

» प्रदेश सरकार जल्द जारी कर सकती है ओबीसी सर्वे की रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। बिहार सरकार द्वारा जातिगत जनगणना के आंकड़े पेश करने के बाद अब पूरे देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग उठने लगी है। यही वजह है कि अब आन्य राज्यों की सरकारें भी इस बारे में सोच रही हैं तो वहीं कहीं न कहीं जनता और विपक्षी दल राज्य सरकारों पर दबाव भी बना रहे हैं। अब इस बीच खबर आ रही है कि बिहार के बाद ओडिशा की बीजू जनता दल की सरकार भी पिछड़े वर्गों को लेकर सर्वे रिपोर्ट जारी करने की तैयारी कर रही है।

बताया जा रहा है कि इस संबंध में एक रिपोर्ट मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की सरकार को सौंप दी गई है। अगले साल होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले इसका जारी होना काफी अहम माना जा रहा है। ओडिशा राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग यानी ओएससीबीसी ने इस साल मई और जुलाई के बीच एक सर्वे किया था। इसने अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी है। सूत्रों का कहना है कि राज्य की 4.7 करोड़ आबादी में से 42 फीसदी 208 पिछड़े वर्गों से संबंधित हैं। एक अधिकारी का कहना है कि राज्य सरकार जल्द ही इस रिपोर्ट को प्रकाशित कर सकती है।

विपक्ष ने उठाए सवाल

ओएससीबीसी ने एक मई से 10 जुलाई तक पिछड़े वर्गों की सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति पर सर्वे किया था। शुरुआत में, पिछड़े वर्गों के लोगों को 10 मई तक स्वेच्छा से अपने व्यवसाय और शिक्षा की जानकारी देने के लिए कहा गया था। इसके बाद घर-घर जाकर जनगणना की गई और आपत्तियां आमंत्रित करके आंकड़ों का सत्यापन किया गया। वहीं विपक्षी दल कांग्रेस ने सर्वे कराने में देरी को लेकर सरकार पर निशाना साधा, तो वहीं भाजपा ने सर्वे के तरीके पर सवाल उठाए। भाजपा विधायक नौरी नायक ने कहा कि सरकार ने पूरी लगन से सर्वे नहीं कराया है। उन्होंने कहा कि अगर वे ठीक से घर-घर गए होते, तो सही आंकड़े सामने आते। यह कवायद काफी हद तक स्वैच्छिक थी, जिसमें लोगों को पहचान के लिए दस्तावेजों के साथ सर्वेक्षण केंद्रों पर जाना था। इसके चलते कई लोग इससे छूट गए।

नए सिरे से जाति सर्वेक्षण का आदेश दे बिहार सरकार : चिराग

» जूनियर पासवान ने की पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग

» आंकड़ों में गड़बड़ी का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नीतीश सरकार द्वारा जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक करने के बाद अब पूरे देश की राजनीति में एक नई बहस छिड़ गई है। अपने इस दांव से नीतीश-तेजस्वी ने विरोधी खेमे में खलबली मचा दी है। यही वजह है कि इन आंकड़ों के सामने आने से भाजपा और उसके एनडीए के खेमे में सबसे अधिक खलबली मची हुई है। अब इस मुद्दे पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने मांग की कि बिहार में नीतीश कुमार सरकार नए सिरे से जाति सर्वेक्षण कराए।

कम दिखाई गई पासवान जाति की संख्या : चिराग

चिराग पासवान ने कहा कि लोजपा (रामविलास) जाति सर्वेक्षण के निष्कर्षों को सिरे से खारिज करती है। एक जाति की संख्या बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई है। दूसरी ओर कई अन्य जातियों को संख्यात्मक रूप से इनसे छोटा दिखाया गया है। उन्होंने यह भी अरोप लगाया कि यहां तक कि मेरी अपनी जाति पासवान की जनसंख्या भी हम जितना समझते हैं, उससे बहुत कम दिखाई गई है। यह आश्चर्य की बात है क्योंकि यह प्रक्रिया जल्दबाजी में की गई है। राज्य के अधिकांश लोगों से सर्वेक्षणकर्ताओं ने कभी संपर्क नहीं किया। बिहार में दुसाध समुदाय जिनके लिए चिराग के दिवंगत पिता रामविलास पासवान एक आदर्श के रूप में जाने जाते थे, कुल आबादी का 5.31 प्रतिशत हैं। प्रदेश में दुसाध जाति यादव समुदाय (14.27 प्रतिशत) जो बड़े पैमाने पर राज्य की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनता दल के समर्थक रहे हैं, के बाद दूसरा स्थान रखता है।

जमुई से सांसद चिराग ने एक वीडियो जारी करके आरोप लगाया कि सर्वेक्षण में पारदर्शिता की कमी है और बिहार में सत्तारूढ़ सरकार की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आंकड़ों में हेराफेरी की गई है।

जल्दबाजी में चुनावी लाभ के लिए कराई गई जातीय जनगणना : तारकिशोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना बिहार में हुई जातीय गणना की रिपोर्ट में जो आंकड़े जारी किए गए हैं उसको लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। नीतीश सरकार पर गंभीर आरोप भी लग रहे हैं। उपेंद्र कुशवाहा ने तो साफ दावा किया है कि उनसे किसी ने कोई जानकारी ही नहीं ली है। अब बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद ने बातचीत में आंकड़ों को लेकर सवाल खड़े किए हैं। लालू-नीतीश पर भी हमला बोला है।

तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि जातीय गणना बहुत जल्दबाजी में चुनावी लाभ के लिए बिहार सरकार द्वारा कराई गई है। जातीय गणना के आंकड़ों में हेराफेरी की गई है। कई खामियां हैं। कई लोगों के घर सर्वे टीम पहुंची ही नहीं है। बीजेपी जातीय गणना के पक्ष में है। 2019 में जातीय गणना सर्वे कराने का प्रस्ताव बिहार विधानमंडल से पारित हुआ था तब एनडीए की सरकार थी।

25 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर साधु यादव मुठभेड़ में गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। सीतापुर पुलिस की 25 हजार रुपये के इनामी हिस्ट्रीशीटर साधु यादव से बुधवार सुबह मुठभेड़ हो गई। इस दौरान उसने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। एसओजी, स्वाट सर्विलांस व थाना महोली पुलिस की संयुक्त टीम ने मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई में साधु यादव के पैर में गोली लगी। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इलाज के बाद उसे जेल भेजा जाएगा।

क्राइम ब्रांच व पुलिस की सयुक्त टीम की कोतवाली महोली के कैमा मोड़ के पास साधु यादव से आमना-सामना हो गया। इस दौरान उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

जवाबी कार्रवाई मे उसके पैर में गोली लगी और वो गिर गया। पुलिस ने मौका मिलते ही उसे गिरफ्तार कर लिया। वह रंगदारी मांगने के मामले में फरार चल रहा था। उसके पास से पुलिस टीम ने एक तमंचा, दो जीवित कारतूस, दो खोखा कारतूस सहित बाइक बरामद की है। साधु यादव पर हत्या के प्रयास, हत्या और गैंगस्टर सहित नौ मुकदमे दर्ज हैं।

मणिपुर मुद्दे पर कांग्रेस ने एक बार फिर पीएम मोदी पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर में लगभग पिछले छह महीने से हिंसा जारी है और प्रदेश का माहौल लगातार तनावपूर्ण बना हुआ है। बीच में कुछ दिनों के लिए हालात कुछ सामान्य हुए थे लेकिन फिर मणिपुर के हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। सबसे बड़ी बात कि प्रदेश के हालात इतने बिगड़ने के बाद भी देश के प्रधानमंत्री मोदी ने अब तक एक भी बार राज्य का दौरा तक नहीं किया। यही वजह है कि कांग्रेस लगातार पीएम मोदी पर सवाल उठा रही है। अब एक बार फिर कांग्रेस ने मणिपुर की हालत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाया है।

कांग्रेस न आरोप लगाया कि इससे पहले कभी किसी प्रधानमंत्री ने एक राज्य या उसके लोगों को इस तरह नहीं छोड़ा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 15 महीने पहले भाजपा के सत्ता में आने के बाद मणिपुर में ऐसी स्थिति का आना उसकी नीतियों और प्रधानमंत्री की प्राथमिकताओं को दिखाता है।

» जयराम रमेश ने पूछा- 15 महीने पहले आई सरकार की प्राथमिकता क्या है?

» आखिर क्यों इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हैं प्रधानमंत्री

डबल इंजन सरकार की विभाजनकारी राजनीति के कारण भड़की हिंसा

भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पांच महीने पहले, तीन मई की शाम को तथाकथित डबल इंजन सरकार की विभाजनकारी राजनीति के कारण मणिपुर में हिंसा भड़की थी। उन्होंने कहा कि लगभग एक महीने बाद, कर्नाटक चुनाव में अपनी जिम्मेदारियों को निभाकर और ऐसे अन्य जरूरी कार्यों से मुक्त होकर गृह मंत्री ने राज्य का दौरा करना उचित समझा। हालांकि, उनके दौरे से कोई सुधार नहीं हुआ बल्कि चीजें बद से बदतर हो गईं। जयराम रमेश ने कहा कि सामाजिक सद्भाव पूरी तरह से बिगड़ चुका है। हर दूसरे दिन हिंसक अपराधों की भयावह खबरें सामने आती हैं। हजारों लोग अब भी राहत शिविरों में रह रहे हैं। सशस्त्र बलों और राज्य पुलिस के बीच झड़प होना आम बात हो गई है।

इससे पहले किसी पीएम ने किसी राज्य को ऐसे नहीं छोड़ा

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि फिर भी प्रधानमंत्री इस मामले में पूरी तरह चुप हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राज्य में हालात बिगड़ने के काफी दिनों बाद उन्होंने सिर्फ दिखावे के लिए 10 अगस्त को लोकसभा में 133 मिनट के भाषण में पांच मिनट से भी कम समय के लिए राज्य पर एक टिप्पणी करके औपचारिकता निभा दी। उन्होंने कहा कि भाजपा के अधिकांश विधायक मुख्यमंत्री को पद से हटाना चाहते हैं। इसके बावजूद वह अपने पद पर बेशर्मी से बने हुए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर सवालों की बौछार की। सवाल पूछते हुए रमेश ने पूछा कि पहला, प्रधानमंत्री ने आखिरी बार मणिपुर का दौरा कब किया था? प्रधानमंत्री ने आखिरी बार मणिपुर के भाजपा मुख्यमंत्री से कब बात की थी? आखिरी बार प्रधानमंत्री ने मणिपुर के भाजपा विधायकों से कब मुलाकात की थी? पिछली बार प्रधानमंत्री ने मणिपुर के अपने कैबिनेट सहयोगी के साथ राज्य पर चर्चा कब की थी? कांग्रेस नेता ने कहा कि इससे पहले कभी किसी प्रधानमंत्री ने किसी राज्य और उसके लोगों को इस तरह से नहीं छोड़ा, जैसा अब किया जा रहा है। रमेश ने आरोप लगाया कि मणिपुर में भाजपा को भारी जनादेश मिलने के करीब 15 महीने बाद ही राज्य में ऐसी भयावह स्थिति में खड़ी हो गई है। ये उसकी नीतियों और प्रधानमंत्री की प्राथमिकताओं पर सबसे बड़ा कलंक है।

अभिषेक बनर्जी को ईडी का नया समन नौ अक्टूबर को बुलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। ईडी लगातार अभिषेक के पीछे पड़ी है। अब प्रवर्तन निदेशालय ने अभिषेक बनर्जी को एक नया समन भेज दिया है। इस समन में अभिषेक से 9 अक्टूबर को जांच में शामिल होने के लिए बोला गया है।

» शिक्षक भर्ती घोटाले में लगातार पूछताछ कर रहा है प्रवर्तन निदेशालय

गौरतलब है कि टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में तीन अक्टूबर को एजेंसी के सामने पेश होने के लिए समन जारी किया गया था। हालांकि, सरकारी योजनाओं के भुगतान को दिल्ली में पार्टी के विरोध-प्रदर्शन की वजह से अभिषेक ईडी के सामने पेश नहीं हुए थे। इसके बाद केंद्रीय एजेंसी ने उन्हें बुधवार को नया समन जारी किया। इससे पहले 13 सितंबर को साल्टलेक में ईडी कार्यालय में अभिषेक से नौ घंटे तक लंबी पूछताछ की गई थी। ईडी कार्यालय से बाहर आने के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा था कि उन्हें ईडी ने विपक्षी दलों की बैठक में जाने से रोकने के लिए यह दिन चुना। अभिषेक ने आरोप लगाया था कि ईडी और सीबीआई पिक एंड चूज के आधार पर मामलों को आगे बढ़ा रही हैं।

फोटो: 4पीएम

धरना आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सांसद संजय सिंह के घर पर ईडी की छापेमारी के विरोध में गांधी प्रतिमा पर किया प्रदर्शन, पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर भेजा ईकोगार्डन।

सिक्किम में बादल फटने से मची तबाही

23 जवान लापता, चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने से 15-20 फीट तक बढ़ा जल स्तर

» राहत-बचाव कार्य जारी लोगों को किया गया अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिक्किम। पिछले कुछ दिनों से प्रकृति लगातार ऐसी तबाही मचा रही है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में आए दिन बड़े हादसे हो रहे हैं। हिमाचल के बाद अब नॉर्थ ईस्ट भी प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाया है। नॉर्थ ईस्ट के राज्य सिक्किम में बादल फटने से तबाही मच गई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नीचे की ओर 15-20 फीट की ऊंचाई तक जल स्तर अचानक बढ़ गया। इससे सिंगताम के पास बारदांग में खड़े सेना के वाहन प्रभावित हो गए हैं। 23 जवानों के लापता होने की सूचना है और कुछ वाहनों के कीचड़ में डूबे होने की खबर है। तलाशी अभियान जारी है। वहीं बचाव कार्य जारी है और एनडीआरएफ की टीम लगातार अपना काम कर रही है।

तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़

रक्षा पीआरओ के मुताबिक, उत्तरी सिक्किम में ल्होनक झील के ऊपर अचानक बादल फटने से लाचेन घाटी में तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आ गई। घाटी में कुछ सैन्य प्रतिष्ठान प्रभावित हुए हैं। अधिक जानकारी जुटाने के प्रयास जारी हैं। फिलहाल 23 कर्मियों के लापता होने की सूचना है और कुछ वाहनों के कीचड़ में डूबे होने की खबर है। रक्षा पीआरओ के मुताबिक, चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नीचे की ओर 15-20 फीट की ऊंचाई तक जल स्तर अचानक बढ़ गया। इसके कारण सिंगताम के पास बारदांग में खड़े सेना के वाहन प्रभावित हुए।

कार और ट्रक में भिड़ंत, आठ की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। वाराणसी में आज एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिससे पूरे इलाके में हाहाकार मच गया। वाराणसी के सुरही गांव में कार और ट्रक की भि?त में आठ लोगों की मौत हो गई है। सभी मृतकों की पहचान पीलीभीत निवासी के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सभी वाराणसी दर्शन-पूजन के लिए आए थे और वापस घर लौट रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

वाराणसी-लखनऊ राजमार्ग पर सुरही गांव में तेज रफ्तार अर्टिगा कार आगे चल रहे ट्रक के पीछे जा घुसी। कार सवार लोग काशी विश्वनाथ का दर्शन-पूजन कर वापस लौट रहे थे। घटना सुबह करीब चार बजे की बताई जा रही है। हादसे में सिर्फ एक आठ साल का बच्चा बचा है, जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी मृतक ग्राम मुजफ्फरनगर डाकखाना दूधियाखुर्द थाना पूरनपुर जिला पीलीभीत के रहने वाले हैं। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटनास्थल पर मौजूद व्यक्ति ने घटना के बारे में बताया। उन्होंने बताया- हम सोए थे सुबह करीब चार बजे तेज आवाज हुई। हम देखने गए तो एक कार क्षतिग्रस्त थी उसमें चार लोगों की मौत हो चुकी थी।

» वाराणसी में दर्शन के बाद वापस लौट रहे थे लोग

ट्रक ने बस में मारी टक्कर, 2 की मौत

अयोध्या। लखनऊ-अयोध्या एनएच-27 पर आज सुबह हुए भीषण सड़क दुर्घटना मंक बिहार के दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 9 यात्री घायल हो गए। सात यात्रियों को दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज व दो यात्रियों को अयोध्या के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, हरियाणा के गुरुग्राम से यात्रियों से भरी एक बस बिहार के मधुबनी जा रही थी और जैसे ही भोर में अयोध्या पहुंची तभी किन्हीं कारणों से बस कोतवाली नगर के नाका ओवर ब्रिज पर रुक गई और पीछे से आ रही ट्रक ने टक्कर मार दी। मरने वाले यात्री बिहार के मधुबनी व सुपौल के रहने वाले हैं।

सीएम योगी ने जताया दुख

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया पर घटना पर दुख जताते हुए सीएम ऑफिस की ओर से लिखा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद वाराणसी में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट किया है। सीएम ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार हेतु निर्देशित किया है। महाराज बाबा विश्वनाथ से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।